MARCH 2021 | Q4 - FY20-21

iimpulse

The Official Newsletter of IIMPACT

If you educate a man, you educate an individual, but if you educate a woman, you educate a nation
- African proverb

IIMPACT was started by the 1978 batch alumni of IIM Ahmedabad, India.

Under its Girl Child Education Program, IIMPACT identifies out-of-school/ irregular-to-school/ dropout girls in rural villages of India and provides them with quality primary education.

IIMPACT started with just 450 girls and 15 Learning Centres in 2004. Today IIMPACT supports over 58000 Girls in 1936 Learning Centres spread across 33 districts of 11 States in India.

The IIMPACT Learning Centre model establishes single-teacher led Learning Centres imparting Primary-level education using a Multi-Grade Multi-Level approach. IIMPACT runs this project for about 5-6 years in one locality, up to the time that each girl enrolled in the Learning Centre has received a firm grounding in primary education.

IIMPACT's Reach

as on 15th March'2021

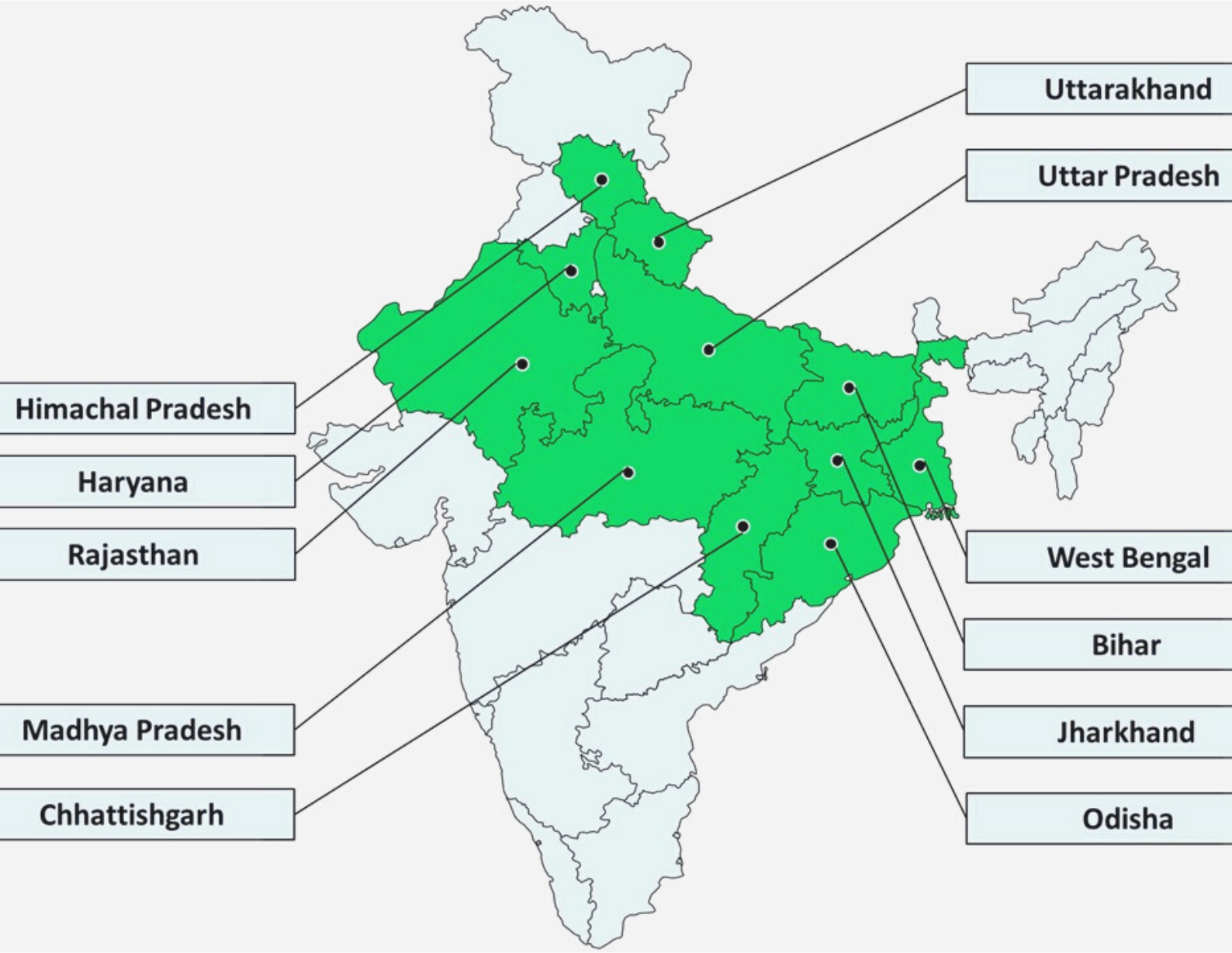

11 STATES
33 DISTRICTS
83 BLOCKS
1563 VILLAGES
1936 LEARNING CENTRES

NEARLY 20,000 CENTRE MANAGEMENT COMMITTEE MEMBERS

58,000+ GIRL CHILDREN BETWEEN THE AGE OF 6 TO 14 YEARS

Highlights

OUR WORK IN THE VILLAGES OF MEWAT, HARYANA WAS ACKNOWLEDGED BY THE GOVERNMENT IN THE DISTRICT REPUBLIC DAY EVENT. DURING COVID-19, OUR CENTRES ACTED AS MOHALLA PATHSHALAS COLLABORATING WITH THE HARYANA GOVERNMENT

IIMPACT WITH ISDM LAUNCHED THEIR SURVEY REPORT ON "EMERGING CHALLENGES IN THE POST-COVID CONTEXT" DURING ISDM'S DEVELOPMENT MANAGEMENT WEEK WHERE OUR EXECUTIVE DIRECTOR, SHUBHANGI SHARMA WAS INVITED AS A GUEST SPEAKER

OUR SR. LEADERSHIP CONDUCTED 4 REGIONAL PARTNER NGO MEETINGS TO DISCUSS THE STRATEGIES AND PREPARATIONS FOR THE NEW FINANCIAL YEAR WHILE ACKNOWLEDGING THE JOURNEY WE UNDERTOOK DURING THIS DIFFICULT YEAR OF COVID-19.

OUR DONORS HAVE RE-STARTED VISITING THE CENTRES TO PERSONALLY SEE THE CHANGE THAT THEIR SUPPORT IS MAKING IN THE LIVES OF OUR YOUNG GIRLS

IN PICTURE: AARTI SHARMA, FROM ANKIT MEMORIAL FOUNDATION. SHE ALSO DONATED T-SHIRTS, BAGS, BOTTLES, AND MASKS TO ALL THE GIRLS IN 2 CENTRES

Highlights

THE TEX CORP TEAM DID THEIR ANNUAL VISIT. THE GIRLS WERE EXCITED TO MEET THEM AGAIN.

THE TEX CORP TEAM DONATED STATIONERY, NOTEBOOKS, BADMINTON RACQUETS TO THE GIRLS; AND DIARIES AND WATER JUGS FOR THE TEACHER AND LEARNING CENTRE RESPECTIVELY

THE IIMPACT TEAM CLOSED THIS LAST QUARTER OF FY20-21 WITH A 1 DAY TEAM MEETING WHICH HAD ALL OUR TEAM MEMBERS COME TOGETHER TO REFLECT ON THE YEAR THAT HAS FINISHED AND PLAN FOR THE YEAR AHEAD.

Events & Activities

12TH JANUARY 2021 – SWAMI VIVEKANANDA JAYANTI (NATIONAL YOUTH DAY), WAS CELEBRATED AT THE LEARNING CENTRES TO ACQUAINT GIRLS WITH SWAMI VIVEKANANDA'S STORY, PRINCIPLES, PHILOSOPHY, AND ROLE IN THE INDIAN FREEDOM STRUGGLE.

24TH JANUARY 2021 - NATIONAL GIRL CHILD DAY, WAS CELEBRATED AT THE CENTRES WITH THE OBJECTIVE OF RAISING AWARENESS OF THE COMMUNITY TOWARDS THE GIRL CHILD AND PROVIDE EQUAL OPPORTUNITIES TO THEM.

26TH JANUARY 2021 – REPUBLIC DAY, WAS CELEBRATED AT ALL THE IIMPACT CENTRES WITH CHILDREN PREPARING SKITS, AND PATRIOTIC SONGS TO PERFORM IN THEIR COMMUNITIES TO CELEBRATE THIS DAY.

8TH MARCH 2021 - INTERNATIONAL WOMEN'S DAY, IS A FOCAL POINT IN BRINGING ATTENTION AT THE CENTRE TOWARDS ISSUES SUCH AS GENDER EQUALITY, REPRODUCTIVE RIGHTS, AND VIOLENCE AGAINST WOMEN.

Training & Capacity Building

104

QUARTERLY TEACHER TRAINING

THE QTT APPROACH HAS NOW COMPLETELY AND SUCCESSFULLY SHIFTED BACK TO A FACE2FACE - 5 DAY INTERACTION MODEL

3

TRAINING OF TRAINER

TOTS WERE DONE TO REINFORCE MATH & EVS CONCEPTS WITH JODOGYAN & AGASTYA KITS RESPECTIVELY CONDUCTED BY THE JG & AGASTYA TEAM RESPECTIVELY

7

DIRECT TEACHER TRAINING

INTRODUCED TO TEACHERS, AND FIELD STAFF VARIOUS ACTIVITIES ON MATH CONCEPTS TO IMPLEMENT IN THEIR RESPECTIVE CENTRES

Media Coverage

उप्र पंवर सेवा संस्थान के तत्वाधान में बैठक के बाद सैनिटाइजर का वितरण हुआ।

बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने पर बैठक का आयोजन

पलियाकलां-खीरी। उत्तर प्रदेश बनवासी सेवा संस्थान पलिया के तत्वावधान में इंपैक्ट गुरुग्राम के सौजन्य से तहसील के सुदूर ग्रामों में गुणवत्ता परख बालिका शिक्षा प्रदान करने के लिए बालिका शिक्षा केंद्रों की शिक्षिकाओं की बैठक आयोजित की गई। राव ऑस्कर अली परियोजना अधिकारी फरहान

शिक्षा दूत जला रहे शिक्षा की लौ

100 नई मोहल्ला पाठशाला हुई शुरू

फिरोजपुरझिरका, 10 अक्तूबर (ब्यूरो): मेवात में शिक्षा दूत शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं, मोहल्ला पाठशाला के लिए गैर सरकारी संगठनों ने आगे आकर मदद करने की पहल की है, शनिवार को इम्पैक्ट स्पेक्ट्रा के स्वयं सेवी अध्यापकों की जिला शिक्षा अधिकारी ने बैठक ली।

और सभी शिक्षा दूतों को कोविड19 को ध्यान रखते हुए मोहल्ला पाठशाला चलाने के बारे में दिशा निर्देश दिए। इम्पैक्ट स्पेक्ट्रा की ट्रेनिंग हैड प्रीति मुंजाल ने कहा कि इम्पैक्ट के सभी अध्यापक मोहल्ला पाठशाला चलाएंगे, और महामारी के दौर में शिक्षा विभाग का पूरा सहयोग करेंगे, प्रोजेक्ट ऑफिसर सद्दीक अहमद ने सभी अध्यापकों को निर्देशित किया कि वो बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखें। मोहल्ला पाठशाला के खंड

शिक्षा दूतों को दिशा निर्देश देते जिला शिक्षा अधिकारी अनूप जाखड़।

कॉर्डिनेटर नाजिम आजाद ने सभी शिक्षा दूतों को बताया कि हर सोमवार को विभाग गूगल लिंक भेजता है। इसे हर शिक्षा दूत को भरना है, नाजिम आजाद ने सभी शिक्षा दूतों को गूगल लिंक भरने का तरीका बताया। ब्लाक कॉर्डिनेटर कुसुम मलिक ने शिक्षा दूतों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महामारी में शिक्षा दूतों ने जो कार्य किया है वो अविश्वसनीय है। शिक्षा दूत बच्चों का दाखिला भी सरकारी स्कूल में कराएं। मेवात कारवां के अध्यक्ष डॉ अशफाक आलम ने शिक्षा दूतों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शिक्षा इसी लिए ग्रहण करते हैं कि जरूरत पड़ने पर समाज को कुछ दे सकें।

अब समाज को आपकी जरूरत है ऐसे में शिक्षा दूत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं, केअर इंडिया की कॉर्डिनेटर अफसाना बानो ने कहा कि उन्हें खुशी है कि मेवात की बेटियां शिक्षा दूत के रूप में बेटों से आगे हैं, ये उन लोगों के लिए जवाब है जो कहते है कि मेवात में महिलाएं जागरूक नहीं हैं। अब मेवात की बेटिया भी इतिहास लिखेंगे। इस अवसर युवा शक्ति टीम के सदस्य लगभग 84 शिक्षा दूत सहित प्रधानाचार्य लाल खा, उमर खान, फनेन्द्र गुप्ता, सतीश कुमार, जसमात खा, शशिकांता, कासिम आज़ाद सहित सभी मुख्य अध्यापक और गैर सरकारी संगठनों के प्रति निधि उपस्थित थे।

बालिका शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा देने लिए ब्लाक फिरोजपुर झिरका के गाँव बसई मेव और बीवाँ में IIMPACT के सहयोग से समुदाय को बालिका शिक्षा के लिए प्रेरित किया

बिलाल अहमद/ब्यूरो चीफ नूह मेवात। IIMPACT-SPECTRA द्वारा मेवात में चलाये जा रहे बालिका शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा देने लिए ब्लाक फिरोजपुर झिरका के गाँव बसई मेव और बीवाँ में IIMPACT के सहयोग से समुदाय को बालिका शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया IIMPACT-SPECTRA द्वारा इन गावों में मोहल्ला पाठशाला और बलिका शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा देने का काम कर रही है 7 साथ में ध्थ1द्वस्र-19 के चलते संस्था ने covid-19 से बचने के लिए समुदाय को जागरूक कर रहे हैं। जिसमें IIMPACT से सुभांगी शर्मा ने गाँव वालो से लड़कियों की शिक्षा में कई फायदे हैं। एक सुशिक्षित और सुशोभित लड़की देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। एक शिक्षित लड़की विभिन्न क्षेत्रों में पुरुषों के काम और बोझ को साझा कर सकती है। एक शिक्षित लड़की की अगर कम उम्र में शादी नहीं की गई तो वह लेखक, शिक्षक, वकील, डॉक्टर और वैज्ञानिक के रूप में देश की सेवा कर सकती हैं।एक आदमी को शिक्षित

करके हम केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं लेकिन अगर हम एक महिला को शिक्षित करते हैं तो हम पूरे परिवार को शिक्षित करते हैं। यह लड़कियों की शिक्षा का महत्व दर्शाता है। यह सच है कि एक महिला अपने बच्चों की पहली शिक्षक है और उन्हें मां की गोद में अपना पहला सबक मिलता है। इसलिए अगर एक मां अच्छी तरह से शिक्षित होती है तो वह अपने बच्चों के भविष्य को सही आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है जिसमें समुदाय का पूरा सहयोग मिला IIMPACT से सुभांगी शर्मा,प्रीति मुंजाल , मोहम्मद सादिक,सहिदुर रहमान ,MG Motors से सेल्समेन हेड राकेशजी, गर्विता ,संचिता ,इशान स्पैक्ट्रा से डायरेक्टर प्रदीप पुण्डीर, आकूप खान ,शमीम ,जावेद,लतीफ़ उपस्थित रहे।

बच्चों के बीच स्कूल बैग का वितरण

छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग देते समाजसेवी.

प्रतिनिधि, बशिनपुर

कोचाधामन प्रखंड क्षेत्र के सोन्था पंचायत अंतर्गत सोन्था शेरपुर गांव में गांव की बेटी सबा नाज कई वर्षों से बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे रही है. इसकी देखरेख इम्पैक्ट एनजीओ कोटक महिंद्रा बैंक कर रही है. इसके कार्यकलाप को देखते हुए सोन्था पंचायत के समाजसेवी सह मुखिया प्रत्याशी बाबर आलम ने रविवार को सेंटर के सभी 30 बच्चों के बीच स्कूल बैग का वितरण किया.इस दौरान मुखिया प्रत्याशी बाबर आलम ने कहा कि गांव में गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना यह बहुत बड़ा कर्म है. यह सभी बच्चे देश के भविष्य है. उन्होंने सेंटर के संचालक सबा नाज की साहसी कदम को सराहा और आगे हरसंभव मदद का भरोसा देते हुए कहा कि इन बच्चों के लिए जब भी जरूरत पड़े मदद के लिए हमारा दरवाजा सदेव खुला है. इस मौके पर मुखिया प्रत्याशी बाबर आलम, इंचार्ज सबा नाज, सादिक आलम, अतहर आलम, फरहान रोमियो, मास्टर रफीक आलम, अफरोज आलम, इमरान, शाह आलम, शौकत, अरशद, इंतेसार, मसूद आलम, जहुर आलम, शाहदील आलम, इसलाम उद्दीन सहित बच्चों के अभिभावक मौजूद थे.

नेत्र जांच शिविर का

किंग स्टार क्रिकेट क्लब व लोहागाड़ा टीम विजयी

Mon, 25 January 2021

पर्सनल हाईजीन का विशेष ध्यान रखें महिलाएं

- देवरी और पौखाल में बालिका शिक्षा कार्यक्रम के तहत दी जानकारी

नई टिहरी, 30 जनवरी (स.ह.) : बालिका शिक्षा कार्यक्रम के तहत माउंटवैली डेवलपमेंट एसोसिएशन और आई-इंपैक्ट ने भिलंगना ब्लॉक के ग्राम देवरी और पौखाल में बालिकाओं के प्रोत्साहन के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वयंसेवियों ने गांव के चौराहे और रास्तों पर सफाई अभियान चलाकर शरीर और

महावारी के दिनों में सैनेट्री पैड़ का इस्तेमाल करने, शरीरिक स्वच्छता और मौसम परिवर्तन के दौरान होने वाली बीमारियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने संस्था की ओर से निर्मित थ्री-लेयर कॉटन मास्क भी महिलाओं को बांटे।

मोहल्ला पाठशालाओं का केयर इंडिया व इंपेक्ट करेंगी सहयोग

- एनजीओ के प्रतिनिधियों ने की शिक्षा अधिकारी से मुलाकात
- पाठशालाओं को बढ़ाने के लिए सहयोग का दिया भरोसा

संवाद सहयोगी, फिरोजपुर झिरका : जिले में चल रही मोहल्ला पाठशालाओं के विस्तार एवं प्रसार के लिए शिक्षा व सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रही केयर इंडिया और इंपेक्ट ने शिक्षा विभाग का सहयोग करने का निर्णय लिया है। इसको लेकर नूंह जिला मुख्यालय स्थित जिला शिक्षा विभाग के कार्यालय पर एनजीओ के प्रतिनिधियों ने जिला शिक्षा अधिकारी अनूप सिंह जाखड़ से मुलाकात की। मीटिंग के दौरान दोनों एनजीओ के प्रतिनिधियों ने शिक्षा विभाग की चल रही मोहल्ला पाठशालाओं को ग्राम स्तर पर बढ़ाने के लिए सहयोग का भरोसा दिया।

शुक्रवार को अपने कार्यालय पर एनजीओ के प्रतिनिधियों से मीटिंग के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा विभाग की देखरेख में चलाई जा रही मोहल्ला

नूंह में एनजीओ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते जिला शिक्षा अधिकारी अनूप सिंह

Stories from the field

LIBITA TAKES A STAND FOR HER EDUCATION!

Libita Pradhan is a 12-year-old girl currently studying at the Kerkabadi Learning Centre in Kandhamal, Odisha. She is a diligent student and regularly attends classes. However, this was not the case when the Centre had started in the community.

Libita's parents were not interested in educating her, and her mother when asked the same by the Centre teacher said, "she will gain nothing from studying, so she will stay home and help with managing the house". Libita would see her friends go to the Centre and would also visit and ask the teacher to convince her parents to let her also study.

The teacher tried talking to her parents, and when they did not agree, the teacher called the community members of the Centre Management Committee hoping that their intervention would help. Libita in the meeting also asked her parents to let her study. It was her determination and the encouragement of the teacher and the community members that finally made her parents agree to let her attend the Centre. After a few months of regularly coming to the Centre, Libita's parents have also started seeing the difference, and are now convinced that this was the right decision.

FINALLY, LIBITA IS ON THE PATH OF AN ALTERNATE FUTURE

Stories from the field

DINESHI OVERCOMES HER STRUGGLES AND CHANGES HER LIFE

Dineshi sen is a recently joined teacher at the Joonda LC in Rajsamand, Rajasthan. She was married but due to marital issues is now separated and lives with her family of 5. The entire family depends on her father's earnings as a farmer and daily wage labourer, which barely meets ends for the household. Due to her marital separation and her poor financial conditions, she was going through depression. When she found out about the IIMPACT Learning Centre in her community looking for a teacher, she decided to apply for the same and support herself and her family.

Initially, as a teacher, Dineshi lacked confidence and faced difficulties in running the Centre. The field team would regularly visit her and support her with demo classes. Dineshi also attended three IIMPACT Teacher Training that further enhanced her academic knowledge as well as her self confidence. She slowly started to build connections with her students and community members, and within the year, her Centre started needing very little visits and support. Now the visits at her Centre have shifted from teacher support to class observations. Dineshi today engages with all her students using various activities, ensures regular daily attendance, and holds periodic community meetings.

DINESHI IS ON THE PATH OF BECOMING

Stories from the field

THE COMMUNITY BUILDS A HALL TO ENSURE EDUCATION FOR THEIR GIRLS

The Santha Learning Centre of Kishanganj District, Bihar is a role model of community support. When IIMPACT started working here most children were irregular due to a lack of proper space for them to come and study.

To overcome this problem, the teacher interacted with the community members to arrange for a better place. Consequently, in one such community meeting where the Sarpanch and other PRI members had come the challenge was discussed. The teacher stressed how important having an enclosed safe space was for the continued education of the girls, The Sarpanch took a keen interest and committed to the construction of a village community hall where the activities of the Learning Centre can take place along with other community activities.

The Centre then started running in this hall with a regular attendance of girls. Even post lock-down the community was very supportive of the Centre continuing and their girl children learning. Some PRI members who were also attending the Centre Management Committee meetings, came forward to further support in the post lockdown phase by distributing classroom supplies including bags to the girls.

NOT JUST A BUILDING, BUT A LAUNCHPAD FOR DREAMS

Thank you for empowering the girl child

SHE HAS BEEN AT THE FOREFRONT OF EVERY CRISIS,
SHE HAS BEEN THE SAVIOUR, AND THE SURVIVOR

STILL, SHE IS MOST VULNERABLE WHEN CALAMITIES OCCUR.
SHE IS THE FIRST TO GO HUNGRY IF FOOD IS SCARCE AT HOME,
SHE IS THE FIRST ONE TO LOSE HER LIVELIHOOD

SHE FACES THE RISK OF TRAFFICKING, VIOLENCE,
AND ABUSE UNDER ADVERSE CONDITIONS.
TO ADD TO HER MISERY, SHE IS THE FIRST ONE TO LOSE
OUT ON EDUCATIONAL OPPORTUNITIES

IF SHE LOSES, OUR NATION WILL LOSE, HUMANITY WILL LOSE.
DON'T BE A SILENT OBSERVER, COME FORWARD,

RAISE YOUR VOICE
IF YOU DON'T, HER STRENGTH IS LIKELY TO BE LOST FOREVER

JOIN HANDS WITH IIMPACT TO SUPPORT THESE SILENT WARRIORS.
LET US ENSURE THAT THESE INNOCENT SMILES DON'T FADE AWAY.

DONATE NOW!

M 2/3, DLF PHASE-2, GURUGRAM, HARYANA, INDIA-122002
0124-4276865 / 6
INFO@IIMPACT.ORG
WWW.IIMPACT.ORG